Result Mitra Daily Magazine

खाद्य नुकसान की स्थिति

➢ हालिया संदर्भ :

- UN ने 29 सितंबर को खाद्य हानि और बर्बादी (FLW) के बारे में जागरूकता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया है।
- यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा मनाया जाता है, जिसके लिए ये दोनों संगठन विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

➢ FAO की रिपोर्ट :

- रिपोर्ट के अनुसार, कटाई एवं खुदरा बिक्री के दौरान विश्व खाद्य उत्पादन का 13.2% हिस्सा बर्बाद हो जाता है।
- UNEP के रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा बिक्री और लोगों द्वारा उपभोग के दौरान 17% भोजन बर्बाद हो जाता है।

- कुल बर्बाद हुए भोजन का आधा हिस्सा (लगभग 15%) भी सही से उपयोग में लाया जाए तो दुनिया के सभी लोगों, जो भुखमरी के शिकार है, को खाना खिलाया जा सकता है।
- इस बचत से GHG उत्सर्जन को 10% एवं कुल ऊर्जा मांग को 38% तक कम किया जा सकता है।

➢ भारत की स्थिति :

- NABCONS की 2022 के सर्वे के अनुसार, देश में कटाई के बाद लगभग 18.5 बिलियन डॉलर मूल्य का खाद्य बर्बाद हो जाता है।
- इस नुकसान में 12.5 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) अनाज, 1.37 MMT दलहन एवं 2.11 MMT तिलहन शामिल है।
- खराब शीत आपूर्ति बुनियादी ढांचा के कारण 50 MMT बागवानी फसल बर्बाद हो जाती है, जिससे न केवल ताजा उपज की उपलब्धता कम हो जाती है, बल्कि किसानों की आय भी कम हो जाती है।
- NABCONS ने ग्राहकों द्वारा भोजन बर्बादी का अनुमान नहीं लगाया है, लेकिन भव्य शादियों एवं अन्य आयोजनों में काफी मात्रा में भोजन की बर्बादी होती है।
- ICRIER–ADMI के सर्वे में पता चला कि कटाई के बाद सोयाबीन 15.34%, गेहूं 7.87%, दान 6.37% तथा मक्का 5.95% बर्बाद हो जाता है।
- अध्ययन के अनुसार फसल की बर्बादी मुख्यतया कटाई, थ्रेसिंग सूखाने एवं भंडारण के दौरान होता है।

➢ तकनीक एवं बुनियादी ढांचा :

- बर्बादी का मुख्य कारण निम्न तकनीक एवं अपर्याप्त बुनियादी ढांचा भी है।

TM Result Mitra

- रिपोर्ट के अनुसार कंबाइन हार्वेस्टर के प्रयोग से पारंपरिक कटाई की तुलना में नुकसान कम होता है।
- इसके अलावा अगर कटाई एवं सुखाई में मशीनों का प्रयोग किया जाता है, तो धान का नुकसान सिर्फ 2.84% रह जाता है।
- अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वे की 2019 के रिपोर्ट के मुताबिक भारत में केवल 4.4% किसानों के पास ट्रैक्टर एवं मात्र 5.3% किसानों के पास कंबाइन हार्वेस्टर या थ्रेसर है।
- भारत में छोटे एवं सीमांत किसान (कुल किसानों का लगभग 86%) महंगी मशीनें खरीदने का जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं।
- पंजाब में जहां 97% किसान कंबाइन हार्वेस्टर का प्रयोग करते हैं, वहीं बिहार में यह अनुपात सिर्फ 10% है।

➢ सुझाव :

- कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए किसान उत्पादक संगठन (FPO) एवं कस्टम हायरिंग सेंटर लगातार प्रयास कर रहे हैं, जिसमें 'पट्टे व्यवस्था' (Lease System) प्रमुख है।
- पारंपरिक सुखाने के तरीके में फसल न केवल नमी के संपर्क में आते हैं, जिससे 'माइकोटॉक्सिन' प्रदूषण हो सकता है, बल्कि इसमें गंदगी का मिलना, कीट–पतंगों का हमला जैसे जोखिम भी शामिल होते हैं।
- सौर ड्रायर एवं डिहाइड्रेटर न केवल नुकसान को कम करते हैं, बल्कि फसलों के शेल्फ–लाइफ को भी बढ़ाते हैं।

➢ भंडारण सुविधा :

- IGSMRI के 2021 के रिपोर्ट के अनुसार, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा के कारण भारत में कटाई के बाद कुल खाद्यान्न उत्पादन का 10% भाग बर्बाद हो जाता है।

- भारत सरकार ने हाल ही में अनाज भंडारण योजना शुरू की है, जिसका लक्ष्य अगले 5 साल में भंडारण क्षमता को 70 MMT तक बढ़ाना है।
- जूट पैकेजिंग सामग्री एक्ट, 1987 चावल एवं गेहूं के लिए जूट बोरियों का प्रावधान करता है, जो भले ही बायो–डिग्रेडेबल है, लेकिन जूट बोरी के निर्माण में अत्यधिक पानी एवं श्रम लगता है।
- इसके अलावा इन बोरियों में कृतांक (Rodents) के हमले का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में बेहतर भंडारण एवं परिवहन के लिए एयरटाइट बैग के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की जरूरत है।

➢ FAO :

- UN की विशिष्ट एजेंसी है, जिसका प्रमुख कार्य कृषि उत्पादन, कृषि विपणन एवं वानिकी से संबद्ध विषयों पर अध्ययन करना है।
- विश्व खाद्य कार्यक्रम एवं कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष भी इसके तहत ही शामिल है।
- FAO की स्थापना 16 Oct 1945 को कनाडा में हुई थी और स्थापना दिवस को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।
- इसमें कुल 191 सदस्य देश हैं, जिनकी बैठक 2 वर्ष में एक बार होती है।
- इसका HQ पहले वाशिंगटन में था, लेकिन 1951 में इसे रोम(इटली)स्थानांतरित किया। गया।

➢ प्रमुख प्रकाशन :

1. खाद्य एवं कृषि की स्थिति यानि SOFA,
2. वैश्विक मत्स्य पालन एवं एक्वाकल्चर की स्थिति यानि SOFIA,
3. वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति यानि SOFI,
4. कृषि उत्पादन एवं मार्केट की स्थिति यानि SOCO,

5. वैश्विक वनों की स्थिति यानि SOFO,

➢ UNEP :

- यह UN के पर्यावरण संबंधी गतिविधियों की देखरेख करता है।
- इसकी स्थापना 05 जून 1972 को संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- स्थापना दिवस के रूप में प्रतिवर्ष 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।
- इसका HQ नैरोबी (केन्या)में है।

➢ प्रमुख प्रकाशन :

1. ग्लोबल एनवायरनमेंट आउटलुक
2. एमिशन गैप रिपोर्ट
3. एडॉप्टेशन गैप रिपोर्ट
4. फोरसाइट रिपोर्ट

Note:– ‘चैंपियन ऑफ़ द अर्थ’ पुरस्कार UNEP द्वारा दिया जाता है, जो किसी व्यक्ति, संगठन या वैश्विक नेता को दिया जा सकता है।